भजन

तर्ज..तुम हमें यू 'इसमें पिया जी कह रहे हैं'

मेरे दिल में जब उतर जाओगे
यूं कभी भी मिलोगे रूह से मुझे
तन मन दिल में मुझको पाओगे

1.इश्क की रीत है यहीं अपनी,लब खामोश दर्द में लिपटी
मेरा तेरा तो एक हाल सा है,संग संग यूं ही लौट जायेंगे

2.मेरी आवाज में है गूंज तेरी,आहें भर भर के वाणी है उतरी
इश्क ईमान इससे पाकर के,उड़ उड़ कर लिपट जाओगी

3.राज़े निसवत ये दुनिया क्या जानें,कौन किसका है यह क्या माने
तेरा ये प्यार ही है रूह मेरी, मेरी रूह में जब डूब जाओगी

4.तुम्हें देखा करूं मैं दिल अपने,और कुछ भी मुझको न भाये
तेरी इक इक अदा पे झूमूं मैं, बस इक तुम ही जान पाओगे